भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

TEN RUPEES

रु.10

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

31AC 632673

गजेन्द्र पुत्र प्रेमराज
शक्तिनगर
पोस्ट जेवर
गौ.बु.नगर

NOTARY
D P SINGH
Advocate Notary
G B Nagar
R N
Govt of India

गजेन्द्र

"प्र
(नियम

13 गौतमबुद्धनगर ..... निर्वाचन क्षेत्र
(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

लोकसभा .....(सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ–पत्र

भाग–क

मैं, गजेन्द्र ..... **पुत्र/पुत्री/पत्नी प्रेमराज .....

आयु 52 वर्ष, जो ग्रा० रामरामनगर डा०जेवर जि० गौतमबुद्धनगर (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन में अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ /करती हूँ /शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ /करती हूँ :–

(1) मैं इण्डियन ओरिजिन पार्टी .....(**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम गौतमबुद्धनगर .....(निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं0 286 के क्रम सं0 555 पर प्रविष्टि है।

(3) मेरा सम्पर्क टेलीफोन नम्बर 9868756515 है/हैं और मेरा ई–मेल आईडी(यदि कोई हो) तो srigajendersharma@gmail.com है।

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :–

क्रम सं0	नाम	पैन (PAN)	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपये में)
1.	स्वयं	DBYPS 3014 O	×	×
2.	पति या पत्नी	—	—	—
3.	आश्रित–1	—	—	—
4.	आश्रित–2	—	—	—
5.	आश्रित–3	—	—	—

(5) मैं ऐसे किसी लम्बित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है /किए गए हैं । ×

(यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा /करेगी) :–

(i) निम्नलिखित मामला(मामले) मेरे विरूद्ध लम्बित हैं जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	—

3

(ख)	संबंधित अधिनियम(अधिनियमों) की धारा(धाराएँ) और, अपराध(अपराधों)का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	—
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	—
(घ)	न्यायालय जिसके(जिनके) द्वारा आरोप(आरोपों) की विरचना की गई	—
(ड.)	तारीख(तारीखें), जिनको आरोप विरचित किए गए थे	—
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	—

(ii) निम्नलिखित मामला(मामले) मेरे विरूद्ध लम्बित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है। (पूर्वोक्त मद(1) में वर्णित मामलों से भिन्न)

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	—
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहाँ न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएँ) और अपराध(अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	—
(ग)	पूर्वोक्त आदेश(आदेशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील(अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो) के ब्यौरे	—

NOTARY D P SINGH Advocate Notary G.B. Nagar R.N. of India

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 (1951 का 43) की धारा–8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास से दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया गया है ।

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप से सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा) :

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है :

(क)	उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएँ) और अपराध(अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	—
(ख)	न्यायालय(न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश(आदेशों) की तारीख(तारीखें)	—
(ग)	अधिरोपित दंड	—
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/हैं। यदि हाँ, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	—

(7) मैं, स्वयं मेरे पति/पत्नी तथा सभी आश्रितों की आस्तियाँ (जंगम और स्थावर आदि) का विवरण निम्नानुसार देता/देती हूँ :–

<u>अ–जंगम आस्तियों के ब्यौरे :–</u>

(टिप्पणी :–

1. संयुक्त स्वामित्व की सीमा दर्शाते हुए, संयुक्त नाम पर आस्तियों का विवरण भी दिया जाए।

2. जमा/विनिधान के मामले में कम सं0, रकम, जमा तिथि, स्कीम, बैंक/ संस्था का नाम तथा शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।
3. सूचीबद्ध–कंपनियों की दशा में बंधपत्रो/शेयरों डिबेचरों का मूल्य स्टाक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर–सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखा बहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।
4. यहाँ आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।
5. रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

कम सं0	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	50,000=00	—	—	—	—
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्योरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों तथा सहकारी समितियों में जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम।		—	—	—	—
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों /शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	—	—	—	—	—
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाकघर बचत, बीमा पॉलिसियों में विनिधान के ब्योरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखती में विनिधान और रकम	—	—	—	—	—
(v)	किसी व्यक्ति अथवा इकाई जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिये गये वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्त तथा रकम	—	—	—	—	—
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/ /पोत (निर्माण, पंजीकरण सं0 आदि, क्रय का वर्ष का विवरण तथा रकम)	—	—	—	—	—
(vii)	जेवरात, सोने–चॉदी तथा मूल्यवान वस्तु(वस्तुएँ) (वजन तथा मूल्य का विवरण दें)	—	—	—	—	—
(viii)	किसी अन्य आस्तियाँ जैसे–दावों/हित का मूल्य।	—	—	—	—	—
(ix)	समग्र कुल मूल्य	50,000	—	—	—	—

NOTARY D P SINGH Advocate Noida G.B. Nagar R N Govt of India

5

आ– स्थावर आस्तियों का विवरण :–

(टिप्पणी :–

1. संयुक्त स्वामित्व की सीमा दर्शाते हुए, संयुक्त नाम पर सम्पत्तियॉ भी दर्शाई जायें।
2. इस फॉर्मेट में प्रत्येक भू–खण्ड या भवन या अपार्टमेंट का पृथक रूप से उल्लेख करें।

क्रम सं0	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी नाम	आश्रित–1 नाम	आश्रित–2 नाम	आश्रित–3
(i)	कृषि भूमि अवस्थिति(अवस्थितियॉ सर्वेक्षण संख्यांक(संख्याएँ		—	—	—	—
	क्षेत्रफल(एकड़ में कुल माप)	.557 २७३२	—	—	—	—
	क्या विरासत में आई सम्पत्ति है (हॉ या नहीं)	—	—	—	—	—
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	—	—	—	—	—
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	—	—	—	—	—
	विकास से निर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	—	—	—	—	—
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	—	—	—	—	—
(ii)	गैर–कृषि भूमि अवस्थिति(अवस्थितियॉ) सर्वेक्षण संख्यांक(संख्याएँ)	—	—	—	—	—
	क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	—	—	—	—	—
	क्या विरासत में आई सम्पत्ति है(हॉ या नहीं)	—	—	—	—	—
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	—	—	—	—	—
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	—	—	—	—	—
	विकास से निर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	—	—	—	—	—
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	—	—	—	—	—
(iii)	वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति(अवस्थितियॉ) सर्वेक्षण संख्याक(संख्याएँ)	—	—	—	—	—
	क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)					

NOTARY
D P SINGH
Advocate Notary
Bahraich
U.P.
Govt of India

	निर्मित क्षेत्र(वर्गफुट में कुल माप)	—	—	—	—	—
	क्या विरासत में आई सम्पत्ति है(हॉ या नहीं)	—	—	—	—	—
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	—	—	—	—	—
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	—	—	—	—	—
	विकास से निर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	—	—	—	—	—
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	—	—	—	—	—
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंटों सहित) अवस्थिति(अवस्थितियॉ) सर्वेक्षण संख्याक(संख्याएँ)					
	क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	34'x54'				
	निर्मित क्षेत्र(वर्गफुट में कुल माप)	—				
	क्या विरासत में आई सम्पत्ति है(हॉ या नहीं)	—				
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	—				
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	—				
	विकास से निर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	—				
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	—				
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	—				
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	—				

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शौध्यों के ब्योरे विवरण निम्नानुसार देता/देती हूँ :–
(टिप्पणीः कृपया बैंक, संस्थान, निकाय या व्यष्टिक का नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्योरों का पृथक विवरण दें)

क्रम सं0	विवरण	स्वयं	पति/पत्नी नाम	आश्रित–1 नाम	आश्रित–2 नाम	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था(संस्थाओं) के ऋण या शौध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति		—	—	—	—

	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम बकाया रकम ऋण की प्रकृति	—	—	—	—	—
	कोई अन्य दायित्व	—	—	—	—	—
	दायित्वों का कुल योग	—	—	—	—	—
(ii)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	—	—	—	—	—
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	—	—	—	—	—
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	—	—	—	—	—
	टेलीफोन/मोबाइल की आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	—	—	—	—	—
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकॉप्टर्स सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	—	—	—	—	—
	आयकर शोध्य	—	—	—	—	—
	धनकर शोध्य	—	—	—	—	—
	सेवाकर शोध्य	—	—	—	—	—
	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	—	—	—	—	—
	विक्रय कर शोध्य	—	—	—	—	—
	कोई अन्य शोध्य	—	—	—	—	—
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	—	—	—	—	—
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हाँ तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	—	—	—	—	—

NOTARY D P SINGH Advocate Notary G B Nagar R N Govt of India

(9) वृत्ति या उपजिविका के ब्योरे

क. स्वयं .....?.....

ख. पति या पत्नी .....x.....

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है :–

पी जी डी सी एल एण्ड एम इण्डियन लॉ इंस्टीट्यूट कानून मंत्रालय, भारत सरकार

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूरे नाम के साथ उच्चतम स्कूल/विश्वविद्यालयी शिक्षा का विवरण दें)

(उस स्कूल/कालेज/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष, जिसमें पाठ्क्रम पूरा किया गया।)

इण्डियन लॉ इंस्टीट्यूट, कानून मंत्रालय, भारत सरकार

भाग ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्योरों का उद्धरण :

1.	अभ्यथी का नाम	श्री / ~~श्रीमती / कुमारी~~ गजेन्द्र
2.	डाक का पूरा पता	ग्रा० रामरामनगर, पो० जेवर, गौतम बुद्ध नगर
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	13. गौतम बुद्ध नगर यू० पी०
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'स्वतंत्र' लिखें)	डी०एम० आर्गानिक पार्टी
5.	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	×
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है{ऊपर मद(i)उल्लिखित मामलों से भिन्न}	×
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या, जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दण्डित किया गया है{लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 की उपधारा (1) उपधारा(2) या उपधारा(3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाय}	×

7		का स्थायी लेखा संख्या (PAN No.)	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी ✓	DBYPS 3014O	—	—
	(ख) ~~पति या पत्नी~~	—	—	—
	(ग) ~~आश्रित~~	—	—	—

8		आस्तियों और दायित्वों के ब्योरे रूपये में					
		विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क		जंगम आस्तियाँ (कुल मूल्य)	—	—	—	—	—
ख		स्थावर आस्तियाँ	कृषिभूमि .557	—	—	—	—
	(i)	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	—	—	—	—	—
	(ii)	क्रय के पश्चात स्थावर सम्पत्ति की विकास / सनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	—	—	—	—	—

9

	(iii)	निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	—	—	—	—	—
		(क) स्वार्जित आस्तियाँ (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियाँ (कुल मूल्य)					
9.		दायित्व					
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)					
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)					
10		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं					
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	—				
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	—		—		
11.		उच्चतम शैक्षिक अर्हता : पी०जी.डी.एल एंड एम इण्डियन लॉ इंस्टीट्यूट, कानून मंत्रालय, भारत सरकार (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/उपाधि पाठ्यक्रम के पूरे नाम के साथ स्कूल/विश्वविद्यालयी शिक्षा का विवरण दें) (उस स्कूल/कालेज/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष, जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया)					

NOTARY D P SINGH Advocate Notary GAZIABAD Govt of India

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित अभिसाक्षी, इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथ पत्र की विषयवस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भी भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :–

(क) मेरे विरूद्ध ऊपर भाग क और ख की मद सं0 5 और 6 में उल्लिखित दोष सिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोष सिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है।

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8,9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 20-03-2014 को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी

ATTESTED
DHARAMPAL
Advocate Notary
Court
19/3/14

नोट:–

1. शपथपत्र नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि को अधिकतम 3.00 बजे अपराह्न तक दाखिल कर दिया जाना चाहिए।
2. शपथपत्र पर ओथ कमिश्नर या प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।
3. सभी खाने भरे जाने चाहिए और कोई भी खाना खाली नहीं छोड़ा जाना चाहिए। यदि किसी मद के संबंध में कोई जानकारी नहीं है तो या 'शून्य' या 'लागू नही होता' उल्लिखित किया जाना चाहिए।
4. शपथपत्र या तो टंकित होना चाहिए या पठनीय और स्वच्छ तरीके से लिखा होना चाहिए।

नोट 5 : अभ्यर्थियों द्वारा अधूरा शपथ–पत्र दाखिल करने के सम्बन्ध में माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) वर्ष 2008 की सं0 121–रिसरजेंस इण्डिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य एवं दिए गए दिनांक 13.09.2013 के निर्णय के अनुपालन में अभ्यर्थियों द्वारा सभी कालम भरे जाने आवश्यक है। किसी भी कॉलम को खाली नहीं छोडा जा सकता है। शपथ–पत्र दाखिल करते समय रिटर्निंग अधिकारी को यह जॉच करनी होती है कि नामांकन पत्र के साथ दाखिल किए गए शपथ–पत्र के सभी कालम भरे हुए हैं। यदि नहीं तो रिटर्निंग अधिकारी अभ्यर्थी को खाली कॉलमों में सूचना प्रस्तुत करने के लिए एक अनुस्मारक देंगे। मा0 न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि यदि किसी मद में प्रस्तत करने के लिए कोई सूचना नहीं है तो ऐसे कॉलमों में यथोचित टिप्पणी जैसे : 'शून्य' या लागू नहीं होता' या 'ज्ञात नहीं है, जैसा भी है। उपयुक्त टिप्पणी दर्शाई जायेगी। उन्हें कोई कॉलम रिक्त नहीं छोड़ना है। यदि अनुस्मारक देने के बावजूद कोई अभ्यर्थी खॉली कॉलम भरने में असमर्थ रहता है तो नामांकन पत्रों की जॉच के समय रिटर्निंग अधिकारी द्वारा ऐसे नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के लिए उत्तरदायी होंगे।

नोट 6 : शपथ–पत्र के पैरा 3 में सूचना निम्नलिखित अनुसार उपलब्ध कराई जानी चाहिए :–

"मेरा टेलीफोन नं0 9868756515 है/हैं,
मेरा ईमेल आई डी (यदि कोई हो) srigajendersharma@gmail.com है,
और मेरा सोशल मीडिया एकाउन्ट (यदि कोई हो).....है।